देश की लोकप्रिय मासिक हिन्दी खेल पत्रिका

शानदार 30वां वर्ष

नेशनल स्पोर्ट्स टाइम्स

जनवरी-2024

न्यूज मैगजीन

मूल्य ₹ 25

Website: www.nationalsportstimes.org स्पोर्ट्स वेब पोर्टल

देश में शतरंज एक नई चर्चा है और सबूत है
नई उपलब्धियां

अपने ही अखाड़े में भारतीय
कुश्ती चित्त

आईपीएल 2024 नए बदलाव के साथ नए साल की चर्चा में टॉप पर

सात्विक और चिराग खेल रत्न पाने वाले पहले बैडमिंटन पार्टनर

2024 का पहला आईसीसी टूर्नामेंट अंडर-19 क्रिकेटरों के टेलेंट का इम्तिहान होगा

नए साल में भारत की नई खेल उम्मीदें

ओलंपिक और टी20 विश्व कप में हीरो बनने का बड़ा मौका

स्टार खेल कैलेंडर 2024

आरएनआई नंबरः 69917/94 डाक पंजीयन म.प्र. / भोपाल / 607 / 2023-25 / 1 तारीख को प्रकाशित / डाक पोस्टिंग 5 तारीख

Email: nationalsportstimes@yahoo.com, nationalsportstimes@gmail.com

पंजीयन संख्या (आरएनआई): 69917/94, डाक पंजी. न. मप्र/भोपाल/607/2021-23

■ वर्ष-30 ■ अंक-7 ■ क्रमांक-278 ■ जनवरी-2024 ■ मूल्य-25 रूपये

संपादकीय मंडल

प्रधान संपादक	:	इन्द्रजीत मौर्य
कार्यकारी संपादक	:	सुरेश कुमार
प्रबंधक	:	निखिल कुमार
विज्ञापन प्रबंधक	:	अजय मौर्य
विज्ञापन सहायक	:	रामेश्वर भार्गव
डिजाइनिंग	:	सुरेन्द्र डहारे
छायाकार	:	निर्मल व्यास
कार्टूनिस्ट	:	वीरेंद्र कुमार ओगले

सलाहकार संपादक

- अरुणेश्वर सिंहदेव
- अरुण भगोलीवाल
- आशीष पाण्डे
- शांति कुमार जैन
- समीर मिरीकर
- सुशील सिंह ठाकुर
- राजीव सक्सेना
- शंकर मूर्ति

विशेष संवाददाता / समीक्षक

अरुण अर्णव, अनिल वर्मा, हरेंद्र नागेश साहू, हरीश हर्ष, चरनपालसिंह सोबती, वीरेन्द्र शुक्ल, सरिता अरगरे, मोहन द्विवेदी, मो. ईशाउद्दीन, धर्मेश यशलाहा, दामोदर आर्य, डॉ. मुनीष राणा, प्रशांत सेंगर, सुदेश सांगते, डॉ. प्रशांत मिश्रा, विजय रांगणेकर, संजय बेनर्जी, अमरनाथ, मो. अफरोज।

संपादकीय कार्यालय

बी-10, छत्रपति नगर, अयोध्या बायपास, भोपाल
फोन : 0755-4218892,
मोबाइलः 094250-25727, 8349994166

पंजीयन कार्यालय : ई-197, ओल्ड मीनाल रेसीडेंसी, जे.के. रोड, भोपाल, मप्र-462023,

E-Mail: nationalsportstimes@Yahoo.com
nationalsportstimes@gmail.com

फोटो स्रोतः इंटरनेट, सोशल मीडिया, अखबार एवं ब्यूरो कार्यालय

ब्यूरो कार्यालय

इंदौर, उज्जैन, नागदा, देवास, सीहोर, विदिशा, रायसेन, बुरहानपुर, धार, जबलपुर, ग्वालियर, दतिया, रीवा, सतना, खण्डवा, खरगोन, शहडोल, छिंदवाड़ा, सागर, छतरपुर, होशंगाबाद, बैतूल, इटारसी, रतलाम, शिवपुरी, ललितपुर, झाँसी, नागपुर, रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, मुंबई, रत्नागिरी, कोलहापुर, पूना, जलगाँव, दिल्ली, नोएडा, हरियाणा, लुधियाना, जालंधर, मेरठ, लखनऊ, कानपुर, इलाहाबाद, गोरखपुर, मिर्जापुर, जयपुर, पटना, नैनीताल, देहरादून, कुमाऊ, गाजियाबाद, एंगुल (उड़ीसा), ऊना, शिमला, भुवनेश्वर।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक इन्द्रजीत मौर्य द्वारा सुलेख आफसेट प्लाट नं. 150, एल-5, मनोरमा काम्प्लेक्स, जोन-1, एमपी नगर, भोपाल से मुद्रित तथा ई-197, मीनाल रेसीडेंसी, जे.के. रोड, राज होम्स कॉलोनी, भोपाल से प्रकाशित। संपादक इन्द्रजीत मौर्य।

खेल पत्रिका में प्रकाशित लेखों की जिम्मेदारी लेखक की है। प्रकाशक एवं संपादक का लेखक से सहमत होना अनिवार्य नहीं है। (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा।

08 शतरंज के चमकते सितारे

देश में शतरंज एक नई चर्चा है

अंदर के पन्नों पर

आईपीएल की सभी 10 टीमें	11
काशवी गौतम सबसे महंगी	13
नए साल का सबसे बड़ा टी20 मेला	16
भारत-दक्षिण अफ्रीका टेस्ट	17
भारत-दक्षिण अफ्रीका वनडे, टी20	19-20
भारतीय लड़कियों की सफलता	21
विराट ने सचिन का रिकार्ड तोड़ा	23
खेलों में नाम रोशन करते भाई-बहन	33
अर्जुन पुरस्कार	36
भारत को बेहतर करने की चुनौती	37
मप्र को मिली बड़ी खेल उपलब्धि	43
खेल छत्तीसगढ़	44-45

Website: www.nationalsportstimes.org

देश की लोकप्रिय मासिक हिन्दी खेल पत्रिका

नेशनल स्पोर्ट्स टाइम्स

आज ही अपनी प्रति बुक कराएं...

नेशनल स्पोर्ट्स टाइम्स

घर बैठे कैसे पाएं

आपको सिर्फ इतना करना है कि आप इस कूपन को भरकर भेजें और नेशनल स्पोर्ट्स टाइम्स खुद चलकर आपके घर दस्तक देगा।

मैं ..... नेशनल स्पोर्ट्स टाइम्स का वार्षिक सदस्य बनना चाहता/चाहती हूं। वार्षिक शुल्क 300 रुपए, दो वर्ष के लिए 600 रुपए (50 रुपए की छूट), तीन वर्ष के लिए 900 रुपए (80 रुपए की छूट), पांच वर्ष के लिए 1500 रुपए (100 रुपए की छूट) एवं आजीवन सदस्यता 15,000 रुपए मनीआर्डर या नगद ..... से भेज रहा हूं।

पूरा पता .....

.....

मो. ..... ईमेल.....

नोट: *मनीऑर्डर या नगद राशि नेशनल स्पोर्ट्स टाइम्स के नाम से भेजें। *आपकी सदस्यता राशि प्राप्त होने के अगले माह से पत्रिका के अंक नियमित रूप से भिजवाए जाएंगे। *पत्रिका केवल डाक द्वारा ही भेजी जाएगी। *किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय होगा।

पत्रिका प्राप्त करने के लिए इस पते पर संपर्क करें: ई-197, ओल्ड मीनाल रेसीडेंस, जेके रोड, भोपाल-462023 (मप्र)
E-Mail: nationalsportstimes@yahoo.com nationalsportstimes@gmail.com फोनः 0755-4218892, मोबाइलः 09425025727

मेरी बात...

इन्द्रजीत मौर्य
प्रधान संपादक

भारतीय खेलों के लिए शानदार रहा बीता साल

बीता साल भारतीय खेलों-खिलाड़ियों के लिए बहुत ही बेहतरीन रहा। भारतीय एथलीट्स ने कमाल का परफॉर्मेंस किया और न सिर्फ अपने परिवार का नाम रोशन किया, बल्कि पूरे देश को गर्व महसूस कराया। भारत की तरफ से नीरज चोपड़ा, शीतल देवी, सात्विक, चिराग और ज्योति याराजी जैसे खिलाड़ियों ने इस साल जमकर महफिल लूटी और देश का नाम रोशन किया। एशियाई खेलों से लेकर विश्व चैंपियनशिप तक खिलाड़ियों ने विदेश में भी डंका बजाया। एशियाई खेलों में पहली बार भारत ने पदकों का शतक जमाया और पैरा एशियाई खेलों में भी भारतीय खिलाड़ियों ने इतिहास रच दिया। साल 2023 में भारतीय स्पोर्ट्स में सबसे बड़ा पल ये रहा, जब भारतीय टॉप रेसलर्स एकजुट हुए। विश्व चैंपियनशिप मेडलिस्ट विनेश फोगाट और ओलंपिक मेडलिस्ट बजरंग पुनिया ने डब्ल्यूएफआई के खिलाफ आवाज उठाई। इसके बाद ये मामला सामने आया कि पहलवान आरोप लगा रहे थे कि भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह का महिला पहलवानों के साथ यौन उत्पीड़न और छेड़छाड़ करने का इतिहास रहा है।

प्रदर्शनकारियों को हर जगह से आलोचकों का सामना करना पड़ा। पुलिस ने भी जांच करने से मना कर दिया।। यहां तक की प्रदर्शकारियों को जेल की हवा की खानी पड़ा, लेकिन वे पीछे नहीं हटे। सड़कों पर महीनों तक धरना करने के बाद दिल्ली पुलिस को आखिरी में जांच शुरू करने और बृजभूषण सिंह को निलंबित करने के लिए सुप्रीम कोर्ट के साइन की जरूरत पड़ी। बीता साल नीरज चोपड़ा के नाम रहा, जिन्होंने टोक्यो ओलंपिक गोल्ड मेडल अपने नाम किया। उन्होंने वर्ल्ड चैंपियन और एशिया चैंपियन का टाइटल भी जीता। नीरज ऐसे पहले भारतीय बने, जिन्होंने विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने डायमंड लीग का दोहा, लुसाने और बुडापेस्ट चरण जीता। बीते साल में बैडमिंटन में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। इस जोड़ी ने देश का नाम फिर से रोशन किया। बता दें कि एशियाई खेलों में ये दोनों गोल्ड मेडल जीतने वाले पहले भारतीय बने। इसके बाद सात्विक ने अपने कोच को झुककर उन्हें प्रणाम कर खूब महफिल लूटी। इन दोनों ने इस साल 5 बड़े खिताब अपने नाम किए, जिसमें 1000 ट्रॉफी भी शामिल है।

साल 2023 में 107 मेडल एशिया गेम्स में आए। इस बार मेडल टैली साल 2018 एशियन गेम्स सेकी तुलना में 38 मेडल ज्यादा रहे। पारुल चौधरी ने जापान की रिरिका हिरोनाका को महिला 5000 मीटर फाइनल की रेस में हराया जहां, वह एक दिन पहले 4,780 मीटर तक जापानी खिलाड़ी से पिछड़ गई थी, लेकिन चौधरी ने धमाकेदारी वापसी करते हुए अगले दिन 3000 मीटर स्टीपलचेज में खिलाड़ी को टक्कर दी और उन्हें हराया। एशियाई खेलों में 100 मीटर की रेस में ज्योति याराजी ने फाइनल में अयोग्य घोषित कर दिया गया था, लेकिन नियमों के अनुसार, वह अयोग्य नहीं थी। ज्योति ने लगातार लड़-झड़ककर अंत में पदक हासिल कर पूरी दुनिया को अपनी काबिलियत दिखाई और हर किसी का दिल भी जीत लिया।

उधर, भारतीय क्रिकेट टीम के लिए साल 2023 काफी अच्छा रहा है, हालांकि इस साल टीम इंडिया क्रिकेट के दो सबसे बड़े टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचकर हार गई, और चैंपियन नहीं बन पाई, लेकिन फिर भी इतने बड़े टूर्नामेंट के फाइनल तक पहुंचना भी एक बड़ी उपलब्धि होती है। भारतीय क्रिकेट टीम का आखिरी मैच 30 दिसंबर को टीम इंडिया की महिला और ऑस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेट टीम के बीच खेला गया था। इस बेहद रोमांचक वनडे मैच में टीम इंडिया को 3 रन से हार का सामना करना पड़ा और हरमनप्रीत कौर की भारतीय महिला क्रिकेट टीम इस वनडे सीरीज को भी हार गई। इस मैच के साथ भारतीय क्रिकेट टीम ने 2023 का आखिरी मैच भी खेल लिया।

बीते साल की शुरुआत भारतीय पुरुष टीम ने ऑस्ट्रेलिया को टेस्ट सीरीज हराकर की थी। उसके बाद टीम इंडिया वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंची, और फिर वेस्टइंडीज और आयरलैंड में शानदार प्रदर्शन किया, और फिर एशिया कप के चैंपियन बने। चीन में हुए एशियन गेम्स में भी भारत की महिला और पुरुष दोनों क्रिकेट टीम गोल्ड मेडल जीतकर भारत का नाम रोशन किया। उसके बाद भारतीय पुरुष टीम ने वर्ल्ड कप में सभी मैच जीतते हुए फाइनल में जगह बनाई। ऑस्ट्रेलिया को टी20 सीरीज में मात दी, साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज जीती। वहीं, महिला क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया को एकमात्र टेस्ट मैच की सीरीज हराकर भी एक नया इतिहास रच दिया। भारतीय खिलाड़ियों के लिए अब साल 2024 में बेहतर प्रदर्शन करने की चुनौती होगी क्योंकि इस साल ओलंपिक और टी20 क्रिकेट विश्वकप में खेलना है। उम्मीद करते हैं कि भारतीय खेलों-खिलाड़ियों के लिए 2024 भी बेहतरीन रहेगा।

विशेष

8 साल की बोधना शिवानंदन का शतरंज में बड़ा कमाल

भारतीय मूल की बोधना शिवानंदन ने इंग्लैंड में इतिहास रच दिया है। इस युवा शतरंज खिलाड़ी ने यूरोपीय ब्लिट्ज शतरंज चैंपियनशिप जीती और सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी का खिताब अपने नाम किया है। आठ वर्षीय ब्रिटिश भारतीय स्कूली छात्रा ने यूरोपीय चैंपियनशिप में सुपर टैलेंटेड सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी का खिताब अपने नाम किया। उत्तर-पश्चिम लंदन के हैरो की रहने वाली बोधना शिवानंदन ने कोविड महामारी लॉकडाउन के दौरान शतरंज खेलने के बाद लगातार जीत के बाद यूरोपीय ब्लिट्ज शतरंज चैंपियनशिप जीती।

यूरोपीय चैंपियनशिप में उन्होंने एक अंतरराष्ट्रीय मास्टर को हराकर खिताब जीता। यूरोपियन रैपिड और ब्लिट्ज ने कहा, आठ वर्षीय सुपर प्रतिभाशाली बोधना शिवानंदन (इंग्लैंड, 1944) ने ब्लिट्ज प्रतियोगिता में आश्चर्यजनक परिणाम दिया। उसने 8.5/13 अंक हासिल कर प्रथम महिला पुरस्कार जीता और 211.2 ब्लिट्ज ईएलओ अंक अर्जित किए। बोधना ने अपनी जीत के बाद कहा, मैं हमेशा जीतने की पूरी कोशिश करती हूं, कभी-कभी ऐसा होता है और कभी-कभी ऐसा नहीं होता है। उनके पिता शिव शिवानंदन ने कहा कि उनकी बेटी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास कर रही थी और इसने उसके पक्ष में काम किया है। उन्होंने कहा, उसे शतरंज पसंद है और उसे घूमना पसंद है। हम कोशिश करते रहते हैं और चलते रहते हैं। कुछ महीने पहले ब्रिटिश प्रधान मंत्री ऋषि सुनक ने खेल के लिए सरकार के प्रमुख नए जीबीपी एक मिलियन निवेश पैकेज का एलान किया था।

आनंद ने की मैडल की शुरुआत जो आज तक नहीं रूकी। यही है भारत की बड़ी शतरंज उपलब्धियां।

प्रज्ञानानंदा

वैशाली

कोविड महामारी के बाद की दुनिया में, एकदम नजारा बदला। भारतीय युवा शतरंज में एक चर्चा बन गए हैं- ख़ास तौर पर 18 साल के आर प्रागनानंदा। इसी लिस्ट में डी गुकेश, अर्जुन एरिगैसी, निहाल सरीन (सभी चेन्नई से सीखे) के भी नाम हैं।

देश में शतरंज एक नई चर्चा है और सबूत है नई उपलब्धियां

ये 2019 की बात है। कोलकाता में टाटा स्टील इंडिया रैपिड एंड ब्लिट्ज शतरंज टूर्नामेंट (जिसमें मैग्नस कार्लसन समेत कई टॉप खिलाड़ी हिस्सा ले रहे थे) में विश्वनाथन आनंद की भारतीय टीम का प्रदर्शन कोई ख़ास न रहने पर आनंद से पूछा गया कि ऐसा क्यों है कि भारत से उनके बाद ऐसा कोई खिलाड़ी सामने नहीं आया जो कुछ साल तो टॉप 10 में रहे? तब भारत से उनके अतिरिक्त और कोई भी कैंडिडेट्स में अपने लिए जगह नहीं बना सका था- ये वह मुकाबला है जिससे विश्व चैंपियन के लिए चुनौती देने वाले को चुनते हैं।

बात साफ़ थी क्योंकि भारतीय शतरंज से तब तक पिछले कुछ साल में कई होनहार ग्रैंडमास्टर (जीएम) तो सामने आए पर ज्यादा टॉप पर नहीं रहे- 2016 में नंबर 9 पी हरिकृष्णा बहुत जल्दी नंबर 20/30 में थे और के शशिकिरण 2006 में 21 साल के थे पर बहुत जल्दी टॉप 50 में भी नहीं रहे। इस सवाल पर आनंद का जवाब था- ऐसे टॉप खिलाड़ी सामने लाने का काम चल रहा है और उम्मीद है नतीजा जल्द ही देखने को मिलेगा। वे गलत नहीं थे। उनके उस जवाब के 4 साल बाद ही, गैरी कास्परोव की जन्मस्थली अज़रबैजान की राजधानी बाकू में विश्व कप में भारतीय युवाओं ने जो जलवा बिखेरा उस

गुकेश।

अर्जुन

पर बड़े जानकार भी हैरान हैं।

आनंद के बाद इस मुकाबले में भारत से कोई क्वार्टर फाइनलिस्ट न होने के बाद आज स्थिति ये है कि आख़िरी 8 में से 4 भारतीय (प्रागनानंदा, गुकेश, एरिगैसी और विदित गुजराती) हैं। इनमें से अर्जुन एरिगैसी- आर प्रागनानंदा और डी गुकेश- के कार्लसन मुकाबले का तो बड़ी बेसब्री से इंतजार हो रहा है। ये भारतीय प्रदर्शन इसलिए भी ख़ास है क्योंकि इसमें युवा ज्यादा हैं- विदित इन चार में सबसे बड़े हैं लेकिन 29 साल के जबकि अर्जुन 20 साल, प्रागनानंदा 18 साल और गुकेश 17 साल के हैं। आख़िरी तीन तो अभी फिडे (शतरंज की अंतरराष्ट्रीय संस्था) की जूनियर चैंपियनशिप में भी हिस्सा ले सकते हैं। एक क्वार्टर फाइनल में दो भारतीय खिलाड़ियों के बीच मुकाबला है यानि कि देश से कम से कम एक सेमीफाइनलिस्ट तो पक्का है।

ये तो नजर ही आ रहा था कि आनंद के बाद टॉप खिलाड़ी नहीं मिल रहे। बदलाव का पहला संकेत- 2014 शतरंज ओलंपियाड में ब्रॉन्ज था और 2020 और 2021 में ऑनलाइन ओलंपियाड में एक गोल्ड और ब्रॉन्ज भी जीते पर इसे किसी ने ज्यादा गंभीरता से नहीं लिया। वास्तव में ये इस बात का संकेत था कि सब शून्य नहीं है।

कोविड महामारी के बाद की दुनिया में, एकदम नजारा बदला। भारतीय युवा शतरंज में एक चर्चा बन गए हैं- ख़ास तौर पर 18 साल के आर प्रागनानंदा। इसी लिस्ट में डी गुकेश, अर्जुन एरिगैसी, निहाल सरीन (सभी चेन्नई से सीखे) के भी नाम हैं। प्राग तो 10 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय मास्टर बन गए (ऐसा करने वाले दुनिया में सबसे कम उम्र के), 2018 में 12 साल की उम्र में जीएम बने (ऐसा करने वाले उस समय दूसरे सबसे कम उम्र के) थे। 2019 में डी गुकेश के साथ जीएम लिस्ट में सरीन और एरिगैसी भी शामिल हुए और प्राग 14 साल की उम्र में ईएलओ रेटिंग में 2600 अंक तक पहुंच गए- उस समय ये भी विश्व रिकॉर्ड था।

19 साल के अर्जुन एरिगैसी 2024 कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में जगह नहीं बना पाए (क्वार्टर फाइनल के मैराथन ब्लिट्ज राउंड में प्रागनानंदा से मात खाई) पर विश्व नंबर 32 इस पर चिंतित नहीं है। नोट करने वाली बात उनकी पिछले 5 साल की प्रगति है- 14 वर्ष की उम्र में ग्रैंडमास्टर बनने के लिए 8 महीने में सभी 6 मानदंड (तीन अंतरराष्ट्रीय मास्टर और तीन ग्रैंडमास्टर) अर्जित किए।

मौजूदा पुरुष फिडे रेटिंग में टॉप 50 में 6 भारतीय हैं (51वें नंबर पर, निहाल सरीन) और महिलाओं में टॉप 50 में 4 भारतीय हैं। टॉप 30 युवा पुरुष खिलाड़ियों में 10 भारतीय में से 4- गुकेश, प्रागनानंदा, एरिगैसी और सरीन टॉप 6 में हैं। सविता श्री बी और दिव्या देशमुख महिला युवा में टॉप 8 में हैं।

एक बड़ा मजेदार सवाल ये है कि ये बोर्ड गेम, जिसे टेलीविजन दर्शकों के लिए बहुत कम लाइव एक्शन वाला माना जाता है, भारत में एकदम इतना लोकप्रिय क्यों और कैसे हो गया? भारत की शतरंज फैक्ट्री : चेन्नई स्कूल जो औसतन हर 5 ग्रैंडमास्टर्स में से 1 के लिए जिम्मेदार है। भारत के 84 ग्रैंड मास्टर में से 29 तमिलनाडु से हैं और 15 ने एक ही स्कूल : वेलाम्मल विद्यालय से शुरुआत की।

प्राग फरवरी 2022 में एयरथिंग्स मास्टर्स रैपिड शतरंज टूर्नामेंट में कार्लसन को हरा चुके हैं- महज 16 साल की उम्र में और तब इस नॉर्वेजियन को हराने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी थे। वे विश्व कप के फाइनल में जगह बनाने वाले सबसे कम वरीयता वाले खिलाड़ी थे और सेमीफाइनल में दुनिया के तीसरे नंबर के खिलाड़ी फैबियानो कारूआना और इससे पहले दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी हिकारू नाकामुरा को हराया था। प्राग से पहले, विश्वनाथन आनंद, विश्व कप फाइनल में जगह बनाने वाले एकमात्र भारतीय थे (2000 और 2002 में जीते थे)।

प्राग ने शतरंज खेलना शुरू किया बड़ी बहन वैशाली को देखकर और आज भारत का शतरंज में रूचि लेने वाला हर बच्चा इन दोनों से प्रेरणा ले सकता है। भारत से इस समय 84 जीएम हैं- इस साल 7 नए जीएम बने। ये एक अचूक उपलब्धि है तो ये भी कि शतरंज खेलने वालों की गिनती तेजी से बढ़ी है और टॉप पर पहले से कहीं ज्यादा भारतीय खिलाड़ी हैं। प्राग के माता-पिता - रमेशबाबू और नागलक्ष्मी - हमेशा बच्चों के समर्थन के मामले में सबसे आगे रहे। अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) के अध्यक्ष संजय कपूर कहते हैं- भारतीय शतरंज स्वर्ण युग में है और दो साल के भीतर देश में 100 से ज्यादा ग्रैंडमास्टर होंगे। पहले अकेले विशी (आनंद) थे पर अब भारत में शतरंज का स्वर्ण युग शुरू हो गया है।

पिछले साल, भारत ने ओलंपियाड की सफलतापूर्वक मेजबानी की थी और पुरुष और महिला दोनों वर्गों में ब्रॉन्ज जीता था। अब पूरे देश में कैंप और टूर्नामेंट आयोजित कर शतरंज को बढ़ावा देने पर काम हो रहा है। तमिलनाडु इस समय भारत का शतरंज सेंटर है लेकिन अलग-अलग जगहों से खिलाड़ियों का आना शुरू हो गया है और शतरंज को जम्मू कश्मीर से पूर्वोत्तर तक... हर जगह ले जाने का इरादा है। कानपुर से नए जीएम का मिलना सबूत है- अर्जुन कानपुर से हैं। पहले भारत में किसी को भी शतरंज में दिलचस्पी नहीं थी, कोई टूर्नामेंट के लिए जगह नहीं देता था- अब ऐसा नहीं है। उस दिन का इंतजार है जब कॉर्पोरेट भी ध्यान देंगे और फंडिंग शुरू करेंगे। एआईसीएफ प्रमुख तो ये मानते हैं कि शतरंज राष्ट्र निर्माण में मदद कर सकता है और इसलिए इस खेल को स्कूलों में सिखाया जाना चाहिए।

नए साल में देश की नजर प्रागनानंदा और वैशाली के कनाडा में कैंडिडेट्स 2024 में हिस्सा लेने पर है। आर. वैशाली भारत से सबसे नई ग्रैंडमास्टर हैं- ग्रैंडमास्टर बनने वाली तीसरी भारतीय महिला (कोनेरू हम्पी और हरिका द्रोणावल्ली के बाद)। भारत से 84 ग्रैंडमास्टर्स (जीएम) कोई मजाक नहीं और इसके अतिरिक्त, 136 इंटरनेशनल मास्टर्स (आईएम)- जिनमें 9 महिलाएं हैं। देश में कुल 33,028 रेटेड खिलाड़ी हैं, जिसमें महिला खिलाड़ियों की गिनती 3534 है जो भारत में कुल रेटेड खिलाड़ियों का 10.7| है। नजारा बदल रहा है।